3 (Sem–6/CBCS) HIN HE 2

2025

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–6026

(प्रेमचंद का साहित्य)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) "अगर कोई उत्तर भारत की समस्त जनता के आचार-विचार, भाव, भाषा, रहन-सहन, आशा-आकांक्षा, दुःख-सुख और सूझ-बूझ को जानना चाहे, तो प्रेमचंद से अधिक उत्तम परिचायक इस युग में नहीं पा सकेगा।" प्रेमचंद से संबंधित प्रस्तुत प्रशंसा-सूचक टिप्पणी किस समीक्षक-विद्वान की है?

(ख) प्रेमचंद के अपूर्ण उपन्यास का क्या नाम है?

(ग) नवाबराय द्वारा 'प्रेमचंद' नाम से लिखी गयी पहली कहानी कौन-सी थी?

(घ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

"साहित्यकार _____ होता है, बनाया नहीं जाता।"

(ङ) साहसराय कौन था?

(च) 'सेवासदन' उपन्यास उर्दू में किस नाम से लिखा गया था?

(छ) गंगाजली के भाई का क्या नाम था?

(ज) अलगू का बैल किसने खरीदा था?

(झ) "हराम का माल हराम में जाता है।" यह कथन किसका है?

(ञ) दोनों बैलों में से कौन अधिक सहनशील था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) प्रेमचंद के अनुसार उन्नति का तात्पर्य क्या है?

(ख) "कोई दुश्मन इतना खौफ़नाक नहीं होता, जितनी दग़ा। इससे हमेशा बचते रहना।" उक्त कथन किसने और किससे कहा है?

(ग) 'सेवासदन' उपन्यास के अतिरिक्त प्रेमचंद-विरचित किन्हीं दो पूर्ण उपन्यासों के नाम उनके प्रकाशन-वर्ष के साथ लिखिए।

(घ) "तकदीर की खूबी। मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें।" —प्रसंग का खुलासा कीजिए।

(ङ) 'कर्बला' नाटक के किन्हीं दो स्त्री-पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) "जिन्हें धन-वैभव प्यारा है, साहित्य-मंदिर में उनके लिए स्थान नहीं है।" निबंधकार के कथन का क्या अभिप्राय है?

(ख) "बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था।" कथाकार ने ऐसा क्यों कहा है?

(ग) पद्मसिंह का चरित्र-चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

(घ) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में उभरे तत्कालीन देशकाल और वातावरण पर प्रकाश डालिए।

(ङ) लेखक ने 'ईदगाह' कहानी में किस प्रकार समाज के उच्च या धनी वर्गों पर फब्तियाँ कसी हैं, स्पष्ट कीजिए।

(च) 'दो बैलों की कथा' शीर्षक कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबंध में प्रतिपादित प्रेमचंद के साहित्य-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबंध के आधार पर प्रेमचंद की निबंध-शैली की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ख) ऐतिहासिक नाटक की दृष्टि से 'कर्बला' नाटक का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

नामकरण की सार्थकता की दृष्टि से 'कर्बला' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) "'सेवासदन' उपन्यास में मुंशी प्रेमचंद ने अनेक सामाजिक समस्याओं का अत्यंत यथार्थवादी ढंग से निरूपण किया है।" प्रस्तुत कथन के आलोक में विवेच्य उपन्यास की मूल समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पात्र-योजना एवं उद्देश्य की दृष्टि से 'पूस की रात' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(घ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"रोग का निवारण मौन से नहीं, दवा से होता है। कोई कुप्रथा उपेक्षा या निर्दयता से नहीं मिटती। उसका नाश शिक्षा, ज्ञान और दया से होता है। स्वर्ग में पहुँचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। वैतरणी का सामना अवश्य करना पड़ेगा। जो लोग समझते हैं कि वह किसी महात्मा के आशीर्वाद से कूदकर स्वर्ग में जा बैठेंगे, वह उनसे अधिक हास्यास्पद नहीं हैं, जो समझते हैं कि चौक से वेश्याओं को निकाल देने से भारत के सब दुःख दारिद्र्य मिट जाएंगे और चौक से नवीन सूर्य का उदय हो जाएगा।

अथवा

अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान बहुधा हमारे संकुचित व्यवहारों का सुधारक होता है। जब हम राह भूलकर भटकने लगते हैं, तब यही ज्ञान हमारा विश्वसनीय पथ-प्रदर्शक बन जाता है। ...नवयुवक युवावस्था में कितना उद्दण्ड रहता है। माता-पिता उसकी ओर से चिंतित रहते हैं। वे उसे कुल-कलंक समझते हैं। परंतु थोड़े ही समय में परिवार का बोझ सिर पर पड़ते ही वही अव्यवस्थित चित्त, उन्मुक्त युवक कितना धैर्यशील, कैसा शान्त-चित्त हो जाता है! यह भी उत्तरदायित्व के ज्ञान का फल है।

★★★